कितनी देर धोएं हाथ

साबुन से अच्छी तरह झाग बनाकर करीब 20 सेकेंड तक हाथ धोना सही रहता है। जरूरी नहीं कि आप एंटी बैक्टीरियल साबुन का ही इस्तेमाल करें। कोई भी साबुन कीटाणुओं को मारने में कारगर हो सकता है। इस बात का ध्यान रखें कि आपके बच्चे उंगलियों के बीच में और नाखूनों के आसपास भी अच्छी तरह से हाथ धोएं। और हां कलाई साफ करना न भूलें।

सुखाने के लिए तौलिया हो सही

हाथ धोने के बाद उसे तौलिये से पोंछ लें। इस बात का ध्यान रखें कि आपका बच्चा जिस तौलिये से हाथ साफ कर रहा है वह साफ और सूखा हो। गंदे तौलिये से हाथ साफ करने से बच्चे के हाथ पर दोबारा कीटाणु जमा हो सकते हैं। और ऐसे में उसका हाथ धोना बेकार जाएगा।

हाथ धोने की महत्ता को नजरअंदाज न करें। हाथों की सफाई पर लगाए गए चंद सेकेंड आपके और आपके बच्चे को डॉक्टर के पास लगने वाले कई चक्करों से बचा सकते हैं।

बाइक्स के लिए स्मार्ट एमरजेंसी सिस्टम

कारों तथा अन्य चौपहिया वाहनों में सुरक्षा का ध्यान रखते हुए एमरजेंसी सिस्टम लगाया जाता है जोकि गंभीर हादसों के दौरान जानें बचाने के काम आता है पर इस तरह का स्मार्ट एमरजैंसी सिस्टम दोपहिया वाहनों में देखने को नहीं मिलता, हालांकि दोपहिया वाहनों को भी सुरक्षा की उतनी ही जरूरत होती है जितनी चौपहिया वाहनों को। इस बात का ध्यान रखते हुए बीएमडब्ल्यू द्वारा मोटरसाइकिलों के लिए भी स्मार्ट एमरजेंसी सिस्टम तैयार किया जा रहा है। जो एमरजेंसी तकनीक मोटरसाइकिलों के लिए बनाई जा रही है इसमें इंटेलीजेंट एमरजेंसी काल की सुविधा दोपहिया वाहनों में हादसों के दौरान होने वाले जान-माल के नुक्सान को बचा सकती है। इसमें दिए गए आटोमैटिक रिस्पांस सिस्टम के कारण यह भी कहा जा रहा है कि इसमें आर्टीफीशियल इंटैलीजैंस का इस्तेमाल भी किया गया है। बीएमडब्ल्यू द्वारा तैयार किया गया इंटेलीजैंट एमरजैंसी काल यानी आईईसी सिस्टम और लीन एंगल सैंसर्ज न सिर्फ बाइक के गिरने या क्रैश होने की खबर देते हैं बल्कि इसके साथ जल्दी ही सहायता के लिए एमरजेंसी कॉल भी करते हैं। यदि एक्सीडेंट अधिक गंभीर है तो एमरजेंसी काल के साथ-साथ यह सिस्टम आपकी लोकेशन भी साथ में सैंड करता है। अगर एक्सीडेंट छोटा है तो आपके पास एमरजैंसी काल को कैंसिल करने का भी समय होगा। भारत, अमरीका आदि में यह टैक्नोलॉजी इतनी जल्दी नहीं आने वाली पर आई.सी.ई. को सबसे पहले जर्मनी में 2017 के करीब लांच किया जाएगा तथा इसके बाद इसको यूरोप के अन्य देशों में फैलाया जाएगा। अन्य देशों में इसकी उपलब्धता के बारे कुछ नहीं कहा गया है। हालांकि कम्पीटिशन को देखते हुए इस टैक्नोलाजी में प्रयोग किए जाने वाले टूल्स को अन्य कम्पनियां भी कॉपी कर सकती हैं।

भविष्य का वाहन होवरबाइक...

ब्रिटेन के कोलिन फ्रूज ने भविष्य के वाहन यानी उड़ने वाली बाइक का अविष्कार किया है। इसका नाम होवरबाइक रखा गया है। उसने दो पैराजेट मोटरों को एक विशाल पंखे की शक्ल दी है, जिससे बाइक ऊपर उठती है। कोलिन ने इस अविष्कार के चार वीडियो जारी किए हैं। इसमें बाइक की बनावट के साथ ही यह किस तरह उड़ती है, इसकी जानकारी दी गई है। वीडियो में कोलिन जमीन से उड़ते हुए हवा में पहुंच जाते हैं। वीडियो यू-ट्यूब पर उपलब्ध है। उन्होंने इसे बनाने के तरीके भी बताए हैं। लोगों के सुझाव पर बनाया कोलिन को इस वाहन को बनाने का सुझाव हजारों दर्शकों से मिला। उन्होंने उड़ने वाली बाइक तो बना ली है, लेकिन यह बाजार में आएगी या नहीं या कब तक आएगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

अब ई-बाइक्स की डिमांड

निजी परिवहन के लिए बहुत से व्हीकल्स यानी मोटरसाइकिल्स, कारें आदि मार्केट में उपलब्ध हैं लेकिन निजी वाहन के रूप में इलैक्ट्रिक साइकिल्स यानी ई-बाइक्स का विस्तार हो रहा है और ई-बाइक्स इस मार्केट का सबसे बड़ा हिस्सा बनती जा रही हैं। इस समय कई कंपनियां ई-बाइक्स बना रही हैं। अब जियोऑर्बिटल व्हील पर भी काम हो रहा है जो आपकी साधारण को ई-बाइक में बदल देगा।

ऑटो वर्ल्ड में सिर्फ इलैक्ट्रिक कारों ने ही अपनी जगह मजबूत नहीं की है, फ्यूल की बढ़ती कीमत के कारण इलैक्ट्रिक बाइक्स और ई-बाइक्स यानी इलैक्ट्रिकल साइकिल की डिमांड भी बढ़ी है। एक रिसर्च के मुताबिक 2014 में ग्लोबल ई-बाइक की बिक्री 32 मिलियन तक थी जो 2023 तक 40 मिलियन तक हो जाएगी। अब तो ई-बाइक्स में इनोवेटिव फीचर्स यानी स्मार्टफोन से कनैक्ट करने वाले फीचर्स भी दिए जा रहे हैं। आइए एक नजर ऐसी ही इनोवेटिव ई-बाइक्स पर डालते हैं।

बैटियन साइकिल्स

आम इस्तेमाल के लिए प्रयोग होने वाली टाइटैनियम और कार्बन फाइबर से बनी बाईसाइकिल्स पहले से ही बहुत स्पैशल है और यह तब और भी स्पेशल बन जाती हैं जब इन्हें आर्डर पर बनाया जाए। ऑस्ट्रेलिया के बैटियन साइकिल्स ने चीजों को और भी बदल दिया है। हाल ही में उन्होंने पहले ऐसे मॉडल की घोषणा की है जिसमें फिलामैंट-वाऊंड कार्बन ट्यूब्स जिन्हें टाइटेनियम लग्स से एक-दूसरे से जोड़ा गया है, को 3डी प्रिंटर से बनाया गया है। लेजर की मदद से एयरोस्पेस टाइटेनियम पाऊडर को पिघलाकर एक इंच के हजारवें भाग का निर्माण मोटी परतों के रूप में किया जाता है। एक साइकिल के सभी लग्स को एक बार में ही बनाया जाता है जिससे यह पार्ट्स एक दिन से भी कम समय में बन जाएंगे। कार्बन ट्यूब्स को बाद में लग्स में लगाया जाता है और अपनी जगह पर लगा दिया जाता है। इस सिस्टम का एक फायदा यह है कि अगर यह ट्यूब्स टूट जाएं तो इन्हें अलग से बदला जा सकता है।

स्टाइलिश ओको

सबसे स्टाइलिश ई-बाइक्स में से एक। फार्मूला 1 रेस कार मैटीरियल से बनाई गई है ओको। सिंगल चार्ज पर 40 किलोमीटर तक चल सकती है। यह बाइक डच कम्पनी बायोमेगा ने बनाई है और इसका वजन 40 पाऊंड है।

कुछ खास है जिंजी

जिंजी में रिमूवेबल बैटरी लगी है। पैडल, थ्रोटल और एनालॉग 3 मोड्स दिए गए हैं। लाइटवेट बैटरी पैक जो 4 घंटों में चार्ज हो जाती है। 32 किलोमीटर तक की रेंज। स्पीड, पैडल एसिस्ट लैवल्स, ई-बाइक मोड और अन्य कंट्रोल्स के बारे में बताता है इसमें लगा एलसीडी पैनल। ई101 और ई102 मॉडलों में उपलब्ध।

लीयाओस सोलर

लीयाओस सोलर में सोलर टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है जिससे बैटरी अपने आप चार्ज होती रहती है। बाइक के दोनों तरफ लगे हैं सोलर पैनल। प्लस से चार्ज करने पर लगते हैं 2 घंटे। लगभग 100 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है।

जी फ्लाईबाइक

जी फ्लाईबाइक को एप से लॉक कर सकते हैं। यू.एस.बी. पोर्ट और पैडल की मदद से चार्ज हो जाती है। आसानी से फोल्ड करके कहीं भी रख सकते हैं। सिंगल चार्ज पर 40 मील यानी 64 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है।

वैनमूफ इलेक्ट्रीक एस

वैनमूफ इलेक्ट्रीक एस नाम की ई-बाइक को इंटरनैट से भी कनेक्ट कर सकते हैं। एप की मदद से हाथों में होगा सारा कंट्रोल। एप की मदद से स्पीड भी कर सकते हैं कंट्रोल। 32 कि.मी. की टॉप स्पीड और 112 कि.मी. तक की रेंज।

जियोऑर्बिटल व्हील का कमाल

अगर आपके पास बाइक है तो क्या आप इसे महज 60 सैकेंड के अंदर ई-बाइक में बदल सकते हैं। जियोऑर्बिटल नामक यह व्हील आपकी बाइक को ई-बाइक बनाने में मदद करेगा। पिछले एक-दो सालों से जियोऑर्बिटल पर काम हो रहा था लेकिन अब इसे पूरी तरह से बना लिया गया है और जियोऑर्बिटल को किकस्टार्टर कैम्पेन के तहत लांच किया गया है ताकि इसके लिए प्री-आर्डर और पैसे इकट्ठे किए जा सकें।

कैसे करता है काम

जियोऑर्बिटल एक व्हील है जो आपके बाइक के आगे वाले व्हील की जगह लगाया जाएगा और इससे आपकी साधारण बाइक इलैक्ट्रिक बाइक में बदल जाएगी। इस व्हील में छोटे इलैक्ट्रिक व्हील लगे हैं जो रिम को घुमाने में मदद करते हैं। किसी गियर की तरह ये छोटे व्हील्स रिम को पकड़े रखते हैं जिससे बाइक को गति मिलती है। बाइक को चलाने के लिए 500 वॉट की मोटर मदद करती है और व्हील के अंदर ही 36 वोल्ट की बैटरी भी लगी है। जियोऑर्बिटल रिम में 3 व्हील्स लगे हैं लेकिन इसमें से एक ही इलैक्ट्रिक पावर पर चलता है बाकी के 2 स्थिरता के लिए हैं।

फ्लैट टायर

इस व्हील को सॉलिड फोम से बनाया गया है जिस पर फ्लैट टायर लगे हैं और इसका वजन 9.07 किलोग्राम है। जहां तक थ्रोटल की बात है तो यह छोटे से लीवर के रूप में आता है जिसे हैंडल बार पर अटैच किया जा सकता है जिसमें एक पावर बटन लगा है। इस बटन से व्हील घूमता है और बैटरी इंडीकेशन के लिए लाइट्स लगी हैं।

टायर कुछ अलग हटके

आपने कितनी बार ऐसी कारें देखी हैं, जो सामान्य से बड़े पहियों और टायर पर दौड़ती नजर आती हैं। ये टायर आपकी कार में फिट टायरों से जरा अलग हटके होते हैं। हो सकता है कि आपने बहुत कम ही ऐसी कारें देखी हों, जिनमें इस तरह के टायर होते हैं।आप इन कारों में जो टायर देखते हैं वे वास्तव में बाजार में आने के बाद करवाया गया संशोधन होता है। इसमें बड़े व्हील रिम और लो-प्रोफाइल टायरों का इस्तेमाल किया जाता है। ये टायर सामान्य टायरों की अपेक्षा पतले होते हैं ताकि बड़े व्हील पुराने व्हील खांचे में ही सेट हो जाएं। हालांकि, ये टायर जरा हटकर नजर आते हैं, लेकिन इससे पहले कि आप इन्हें खरीदने के लिए दौड़ पड़ें कुछ बातों का खयाल जरूर रखना चाहिए।

टायर का साइज कैसे पढ़ें

हर टायर पर अन्य जानकारियों के साथ ही टायर का साइज भी लिखा होता है। आप टायर पर ये सभी जरूरी जानकारियां देख सकते हैं। फिलहाल हम सिर्फ टायर पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं। टायर के साइज की जानकारी 305/30जेडआरवी9 के रूप में लिखी नजर आ सकती है। जिसका अर्थ होता है, 305 यानी मिलीमीटर में टायर की चौड़ाई 30, टायर के प्रोफाइल या पहलू अनुपात के बारे में जानकारी। टायर की स्पीड रेटिंग। यहां जेड रेटिंग का अर्थ है 300 किलोमीटर/घंटे से अधिक की रफ्तार।

टायर प्रोफाइल

टायर प्रोफाइल टायर के साइडवॉल की गहराई होती है या टायर के साइड की ऊंचाई होती है। इसे टायर की चौड़ाई के कुछ प्रतिशत के रूप में माना जाता है। हमारे उदाहरण में देखें, तो 305/30जेडआरवी9 टायर, प्रोफाइल या पहलु अनुपात बहुत कम यानी 30 है। इसका अर्थ है कि टायर के साइडवॉल की गहराई 305 मिलीमीटर का 30 फीसदी है। लो प्रोफाइल टायरों का पहलु अनुपात आमतौर पर 60 से शुरू होता है। और जैसे-जैसे साइड वॉल पतली होती जाती है यह संख्या कम होती जाती है।

इन टायरों का फायदा

ये टायर आपकी कार के लुक्स को शानदार तरीके से बढ़ाते ही हैं साथ ही हैंडलिंग और ग्रिप बेहतर हो जाती है, खासकर गर्मी के दिनों में। इसके साथ ही आपके कार की ब्रेक भी बेहतर हो जाती है। इसमें टायर का अधकि हिस्सा जमीन के साथ लगता है, इससे यह सामान्य टायर के मुकाबले अधिक कर्षण देता है। लो प्रोफाइल टायर आपकी कार के कॉर्नर को खूबियां देता है। टायर के कोने चौड़े होने के कारण यह कॉर्नर फोर्सेज का बेहतर तरीके से सामना कर सकते हैं। इसके साथ ही स्टीयरिंग की क्षमता में भी इजाफा हम साफ तौर पर देख सकते हैं।

इन टायरों के नुकसान

भारतीय परिदृश्य के संदर्भ में लो-प्रोफाइल टायरों और रिम को पहुंचने वाला नुकसान अतिसंवेदनशील है। क्योंकि इन टायरों में हवा का दबाव कम होता है, इसलिए यह खराब कंकर-पत्थर वाली सड़कों पर इन टायरों से चलना बहुत मुश्किल हो सकता है।

बारिश में सावधानी

लो-प्रोफाइल टायरों के साथ आपको बारिश के दिनों में अधिक सावधानी बरतनी पड़ती है। ये टायर गीले होने पर कम एक्वाप्लानिंग देते हैं। एक्वाप्लानिंग उस स्थिति को कहते हैं जब टायर और सड़क के बीच पानी की परत बन जाती है।

सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली एमपीवी

भारतीय बाजार में हैचबैक कारों की अच्छी पकड़ है लेकिन, इन दिनों ये देखा जा रहा है कि ग्राहक नए सेगमेंट की कारों में भी काफी रुचि दिखा रहे हैं। एक वक्त एमपीवी सेगमेंट की कारों को कुछ खास पसंद नहीं किया जाता था लेकिन बीते कुछ सालों में इसमें बड़ा बदलाव देखा गया है। ग्राहक एमपीवी सेगमेंट की गाड़ियों में खासा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इस सेगमेंट की कारों में ज्यादा लोगों के बैठने की सुविधा तो होती ही है साथ ही साथ ये गाड़ियां बजट के मामले में भी ग्राहकों को लुभाती हैं। इसके अलावा इन गाड़ियों का माइलेज भी काफी अच्छा होता है। हम आपको एमपीवी सेगमेंट की उन गाड़ियों के बारे में बताते हैं जिसके माइलेज को जानकर आप चौंक जाएंगे।

होंडा मोबिलियो

होंडा ब्रियो की प्लेटफॉर्म पर तैयार होंडा मोबिलियो भारत की पहली एमपीवी कार है। इस कार का डायमेंशन काफी प्रभावित करता है। होंडा मोबिलियो का व्हीलबेस 2650एमएम का है जिसकी वजह से कार के अंदर अच्छी-खासी जगह है। होंडा मोबिलियो 1.5-लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है। इस कार का डीजल वेरिएंट 24 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देता है। इसका माइलेज 24.5 किलोमीटर प्रति लीटर है।

मारुति सुजुकी अर्टिगा

मारुति सुजुकी अर्टिगा पहली कॉम्पैक्ट एमपीवी है जिसमें इस सेगमेंट की दूसरी गाड़ियों को कड़ी टक्कर दी। यह एमपीवी देखने में बहुत बड़ी नहीं है लेकिन इस कार में 7 लोगों के बैठने की सुविधा है। मारुति सुजुकी अर्टिगा पेट्रोल और डीजल इंजन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है। इस कार के डीजल वेरिएंट में फिएट द्वारा तैयार 1.3-लीटर डीजल इंजन लगा है जो 88.8 बीएचपी का पावर और 200एनएम का टॉर्क देता है। इस कार का माइलेज 20.77 किलोमीटर प्रति लीटर है। ये देश की दूसरी सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली एमपीवी है। इसका माइलेज 20.77 किलोमीटर प्रति लीटर है।

डैटसन गो प्लस

निसान की लो-कॉस्ट ब्रांड डैटसन ने भी भारत में सब-4 मीटर एमपीवी को बाजार में उतारा है। डैटसन गो प्लस की लंबाई 3995एमएम, चौड़ाई 1635एमएम और ऊंचाई 1490एमएम है। वहीं इस कार का व्हीलबेस 2450एमएम है। इस कार के पिछले रो की सीट पर बमुश्किल बच्चों को बैठाया जा सकता है। कार का बूटस्पेस 48 लीटर का है जिसे तीसरे रो की सीट को फोल्ड करने के बाद 347 लीटर तक बढ़ाया जा सकता है। ये कार सिर्फ पेट्रोल इंजन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है। डैटसन गो प्लस में 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन लगा है जो 67 बीएचपी का पावर और 104एनएम का टॉर्क देता है। इसका माइलेज 20.6 किलोमीटर प्रति लीटर है।

रेनो लॉजी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में डासिया लॉजी नाम से मशहूर इस कार को भारत में रेनो लॉजी के नाम से लॉन्च किया गया था। रेनो लॉजी को रेनो डस्टर के प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। इस कार का व्हीलबेस 2810एमएम का है और इसमें 7 से 8 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। कार में 1.5-लीटर के9के डीजल इंजन लगा है जिसे दो तरीके से ट्यून किया गया है। ये कार 84 बीएचपी और 108 बीएचपी पावर ऑप्शन के साथ मौजूद है। इस कार में वही इंजन लगाया गया है जिसे रेनो डस्टर में भी इस्तेमाल किया जाता है। फिलहाल ये कार मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है।इसका माइलेज 19.98 किलोमीटर प्रति लीटर है।

महिंद्रा जाइलो

इस लिस्ट में सबसे पुरानी गाड़ी महिंद्रा जाइलो है। कार की लंबाई 4250एमएम और व्हीलबेस 2760एमएम है। कार का इंजन लगा है 118 बीएचपी का पावर और 280एनएम का टॉर्क देता है। इसका माइलेज 14.02 किलोमीटर प्रति लीटर है।